

प्रेषक,

टी.के. पन्त,
संयुक्त सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवामे,

प्रभारी मुख्य अधियन्ता स्तर-1,
लोक निर्माण विभाग
देहरादून।

लोक निर्माण अनुभाग-2

देहरादून, दिनांक ०५ फरवरी, 2005

विषय:- लोक निर्माण विभाग, उत्तरांचल में वित्तीय वर्ष 2004-05 में उपकरणों एवं संयत्रों के क्य की वित्तीय स्थीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं0-1399/06 अधिप्राप्ति-उत्तरांचल/2004 दिनांक 20.9.04 एवं अधीक्षण अधियन्ता, 49 वां बूल.लो.नि.रि.देहरादून के पत्र सं0 1718/86 एम.टी.-49/2004 दिनांक 05 नवम्बर, 2004 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि लोक निर्माण विभाग, उत्तरांचल में उपकरणों एवं संयत्रों के क्य हेतु विभाग की आवश्यकताओं को देखते हुए ०८ एक्सकेवेटर लोडर, ०२ रोबोट रिक्ड स्टीयर लोडर (माडल नं १११०), १४ रोबोट रिक्ड स्टीयर लोडर (माडल नं १९०), ०२ पेट्रोल वालित रॉक डिल मशीन (पिनजीर १२०), ०२-४२२५ निलीमीटर हील वेस ०७ टायर 1000 X 20 - १६ पी.आर. टाटा ट्रक, ०६-३८०० मिलीमीटर हील वेस ०७ टायर 7.50 X १६ - १२ पी.आर. टाटा ट्रक के क्य हेतु रु० ५०० लाख (रु० ५०० करोड़ मात्र) की धनराशि का संलग्न विवरणानुसार व्यय हेतु आपके निर्देशन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय स्थीकृति प्रदान करते हैं।

2. उक्त उपकरणों एवं संयत्रों का क्य डी.जी.एस. एण्ड डी. की दरों पर अधिकृत फर्मों से किया जायेगा।
- 1 उक्त दर न होने पर टैण्डर विषयक नियमों का अनुपालन किया जायेगा।
3. उक्त उपकरणों एवं संयत्रों के क्य के संबंध में शासन हासा निर्धारित सुसंगत नियमों का पालन किया जायेगा तथा क्य की कार्यवाही कर शासन को अवगत करता जायेगा।
4. स्थीकृत धनराशि से उन्ही उपकरणों / संयत्रों को खरीदा जायेगा जिनके लिए धनराशि स्थीकृत की जा रही है।

5. जिन मशीनों की सर्व रिपोर्ट/नीलामी की जानी है २-३ महीने में सर्व रिपोर्ट /नीलामी से प्राप्त धनराशि कोषागार में जमा करा दी जायेगी और विभाग में कुल मशीनों की संख्या निर्धारित नार्मस के आधार पर डिवीजन में रखे जाय। यदि पुराने उपकरणों की सर्व रिपोर्ट/नीलामी में विलम्ब के कारण कम लागत प्राप्त होती है तो इसका समस्त उत्तरदायित्व इसके लिए उत्तरदायी अधिकारी का ही होगा अतः तत्काल उक्त कार्यवाही कर अर्जित राशि शाजकोष में जमा करके शासन को रुचित किया जायेगा।

6. यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि आइडिल कैपासिटी का आंकलन करने के उपरान्त ही अतिरिक्त नये ट्रक खरीदे जायें ताकि सभी ट्रकों का आपौर्वक यूज हो सके।

कमशून्य 2/-

7. व्यय करते समय स्टोर परचेज, रूल्स डिजिट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका व गितव्ययता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों का अनुपालन किया जायेगा ।
8. वित्तीय वर्ष के अन्त तक यदि उक्त उपकरण /वाहन क्य नहीं किये जाते हैं या कोई धनशाशि अवशेष रहती हैं तो वह शासन को 31.3.2005 तक समर्पित कर दी जायेगी ।
9. इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 के आय-व्ययक के अनुदान सं0-22 लेखाशीर्षक-5054 सङ्कों तथा सेतुओं पर पैंजीगत परिव्यय (कमशः) -03 सज्य मार्ग-आयोजनागत 052-मशीनरी तथा उपस्कर-04-उपकरण एवं संयत्र का क्य-26 मशीने और साज सज्जा /उपकरण और संयत्र के नामे डाला जायेगा ।
10. यह आदेश वित्त विभाग के अ.शा. सं0 यूओ. 200./वित्त अनुभाग-3/2005 दिनांक 02 फरवरी,2005 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं ।

संलग्नक:-यथोक्त ।

भवदीय
 (टी०५० पत्र)
 संयुक्त सचिव ।

संख्या-२५१ (1)/ ११-२/०४.तददिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार (लेखा प्रथम) उत्तरायल,इलाहाबाद / देहरादून ।
- 2- आयुक्त गढवाल/कुमायू मंडल, पीडी/नैनीताल ।
- 3- जिलाधिकारी / कोषाधिकारी, देहरादून/नैनीताल ।
- 4- मुख्य अभियन्ता , गढवाल/कुमायू क्षेत्र,सो०निय०, पीडी/अल्मोड़ा ।
- 5- वित्त अनुभाग-3/वित्त नियोजन प्रकोष्ठ उत्तरायल शासन
- 6- वरिष्ठ कोषाधिकारी,देहरादून ।
- 7- अधीक्षण अभियन्ता,४९/२९ वां वृत्त,लो.नि.वि देहरादून/हल्द्वानी ।
- 8- वित्त अनुभाग-3/वित्त नियोजन प्रकोष्ठ,उत्तरायल शासन ।
- 9- लोक निर्माण अनुभाग-१ उत्तरायल शासन / गार्ड रुक ।
- 10✓ निवेशन, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र देहरादून ।

आज्ञा से
 (टी०५० पत्र)
 संयुक्त सचिव

शासनादेश सं० २४। / १११-२/०५-३८(बजट) / २००४ देहरादून दिनांक ५ जनवरी, २००५ का
संलग्नक ।

क्र.सं.	विवरण	लागत प्रति नग (रु०)	लागत (रु०)
1.	०८ एक्सकेवेटर लोडर	22,20,452-00	1,77,63,620-00
2.	०२ रोबोट स्किड स्टिकर लोडर माडल १११०	14,48,000-00	28,९६,०००-00
3.	१४ रोबोट स्किड स्टिकर लोडर माडल १९० या समतुल्य ।	17,०८,०००-00	2,३९,१२,०००-00
4.	०२ पेट्रोल चालित राक ड्रिल मशीन (पिंजौर १२०) या समतुल्य ।	2,२७,८००-00	4,५५,६००-00
5.	०२ न० ४२२५ मिलीमीटर ल्हील वेस ७ टायर १००० x २०= १६ पीआर टाटा या समतुल्य द्रृक ।	८,४१,९६६-00	१६,८३,९३२-00
6.	०३ न० ३८०० मिलीमीटर ल्हील वेस ७ टायर ७.५० x १६= १२ पीआर टाटा या समतुल्य द्रृक ।	५,४६,५५६-00	३२,७९,३३६-00
	योग—		4,९९,९०,४८८-00
	आकाशिक व्यय :-		9,५१२-00
	अर्थात् कुल योग:-		5,००,००,०००-00

(रूपये पैंच करोड़ मात्र)

(रु० क० पन्त)
संयुक्त सचिव ।